जनवरी 2017

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. अपने भाग्य व प्राप्ति की स्मृति के नशे में रहे?																															
3. हर परिस्थिति में सदा सन्तुष्ट रहे?																															
4. संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने में अटेन्शन रहा?																															
5. अव्यक्त रूप में स्थित होकर कर्म किया?																															

शिवभगवानुवाच :– अशरीरीपन का अनुभव करते चलो। मन्सा सेवा बढ़ाते चलो। समय आगे बहुत नाजुक आने वाला है, ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे। इसलिए बीच–बीच में 2 मिनट, 1 मिनट, पांच मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपनी दिनचर्या प्रमाण अवश्य करते चलो। ऐसा समय आयेगा तो यह प्रैक्टिस बहुत–बहुत आवश्यक लगेगी। ... अव्यक्त मुरलियों से ट्रॉफिक कन्ट्रोल पर :- मुझ परम पवित्र फरिश्ते से सारे विश्व में पवित्रता के वायब्रेशन फैल रहे हैं....।

जनवरी 2017 के स्वमान-अभ्यास

1. मैं ओमशान्ति के अर्थ स्वरूप में स्थित फरिश्ता हूं।
2. मैं सब प्रश्नों से पार प्रसन्नचित्त फरिश्ता हूं।
3. मैं आधारमूर्त, उद्धारमूर्त, उदाहरणमूर्त फरिश्ता हूं।
4. मैं मायाप्रूफ, विघ्नप्रूफ फरिश्ता हूं।
5. मैं सर्वशक्ति संपन्न शक्तिशाली फरिश्ता हूं।
6. मैं मास्टर दु:खहर्ता सुखकर्ता फरिश्ता हूं।
7. मैं नेचरल प्यूरिटी संपन्न फरिश्ता हूं।
8. मैं देह, देह की दुनिया से उपराम फरिश्ता हूं।
9. मैं सर्व लगाव, झुकाव व प्रभावमुक्त फरिश्ता हूं।
10. मैं सर्व का शुभचिन्तक फरिश्ता हूं।
11. मैं साक्षी स्थिति में स्थित अचल, अडोल फरिश्ता हूं।
12. मैं बेअन्त खुशी में रहने वाला फरिश्ता हूं।
13. मैं भटकती आत्माओं को राहत देने वाला फरिश्ता हूं।
14. मैं श्रेष्ठ वृत्ति से वातावरण परिवर्तन करने वाला फरिश्ता हूं।
15. मैं चलता फिरता लाइट हाउस, माइट हाउस फरिश्ता हूं।
16. मैं करनकरावनहार की स्मृति से मैं व मेरेपन से मुक्त फरिश्ता हूं।
17. मैं सेकण्ड में फुलस्टॉप लगाने वाला फरिश्ता हूं।
18. मैं स्वराज्य अधिकारी फरिश्ता हूं।
19. मैं नष्टोमोहा स्मृतिस्वरूप फरिश्ता हूं।
20. मैं मुश्किल को सहज करने वाला फरिश्ता हूं।
21. मैं अपने श्रेष्ठ भाग्य के नशे में स्थित फरिश्ता हूं।
22. मैं एक की याद में एकरस अवस्था वाला फरिश्ता हूं।
23. मैं संगमयुगी श्रेष्ठ ब्राह्मण सो फरिश्ता हूं।
24. मैं दिव्य अलौकिक फरिश्ता हूं।
25. मैं वरदानीमूर्त फरिश्ता हूं।
26. मैं नजरों से निहाल करने वाला फरिश्ता हूं।
27. मैं निरन्तर शान्ति की किरणें फैलाने वाला फरिश्ता हूं।
28. मैं विश्व के शोकेस में रहने वाला फरिश्ता हूं।
29. मैं सम्पूर्ण निर्विकारी, निरंहकारी फरिश्ता हूं।
30. मैं फरिश्ता बापदादा के साथ कम्बाइंड हूं।
31. मैं अर्शनिवासी फरिश्ता हूं।

ओम् शान्ति.....।